# लालबहादुर शास्त्री

*(जीवन परिचय)*

17

"जय जवान और जय किसान" का *जयघोष* करने वाले लालबहादुर शास्त्री वास्तव में भारत के *युग पुरुष* थे। पं० जवाहर लाल नेहरू के देहावसान के उपरांत, देश के दूसरे प्रधानमंत्री बनने का *गौरव* लालबहादुर शास्त्री को सन् 1964 ई० में प्राप्त हुआ था। वे पं० जवाहर लाल नेहरू के दाहिने हाथ थे।

लालबहादुर शास्त्री का जन्म 2, अक्टूबर सन् 1904 ई० को वाराणसी के निकट मुगलसराय में हुआ था। उनके पिता श्री शारदा प्रसाद श्रीवास्तव एक साधारण अध्यापक थे। अपनी डेढ़ वर्ष की आयु में ही वे अपने पिता को खो चुके थे। उनका लालन-पालन उनकी माता श्रीमती रामदुलारी ने किया था।

बचपन में शास्त्री जी को 'नन्हे' कहकर पुकारा जाता था। बड़ा होकर यह नन्हा बालक बड़ा वीर निकला। एक छोटे-से गरीब घर में जन्म लेकर भी यह बालक देश के *सर्वोच्च* पद पर अपनी सच्चाई, लगन और परिश्रम से पहुँचा था। बचपन में इनकी माता श्रीमती राम दुलारी देवी इन्हें 'रामायण' और 'महाभारत' की कथाएँ सुनाया करती थीं। उन कहानियों का गहरा प्रभाव लालबहादुर के मन पर पड़ा था और वे एक निर्भीक, निडर और साहसी बालक बनते चले गए थे।

लालबहादुर के जीवन की एक महत्वपूर्ण *घटना* है, जो इनके बचपन में घटी थी। जब वे दो माह के थे, तब एक बार गंगा नदी पार करते समय यह नन्हा अपनी माँ की गोद से *फिसलकर* गंगा की तेज धारा में गिर पड़ा था। इनकी माता बहुत रोईं। सबने समझ लिया कि नन्हा गंगा की *भेंट* चढ़ गया। परंतु जिसे बचाने वाला परमात्मा होता है उसे कौन मार सकता है! वास्तव में, नन्हा अपनी माँ की गोद से छिटककर, पास में चल रही एक दूसरी नौका में बैठे हुए एक किसान की टोकरी में जा पड़ा था। किसान पहले तो उस नन्हे को अपने घर ले आया, पर बाद में उसे दया आई और वह काफी ढूँढने के बाद, नन्हे को उसकी माँ को दे आया। बेचारी माँ के तो आनंद की सीमा नहीं रही।

थोड़ा बड़ा होने पर यही नन्हा गंगा को तैर कर पार कर लिया करता था। छठी कक्षा तक लालबहादुर मुगलसराय में अपने नाना श्री हजारीलाल के पास रहकर पढ़े। बाद में वह वाराणसी के हरिशचंद्र हाई स्कूल में पढ़ने आ गए। यहाँ वह अपने मौसा जी श्री रघुनाथ प्रसाद के यहाँ रहते थे। इनके मौसा के *आदर्श* परिवार का इन पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ा। यहाँ उन्होंने सीखा कि आदमी को अपना काम सदैव बिना फल की कामना किए करना चाहिए और सदैव सादा जीवन व्यतीत करना चाहिए।

वाराणसी में रहते हुए लालबहादुर ने लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक, महात्मा गांधी आदि महापुरुषों के दर्शन किए और उनकी ओजस्वी वाणी को सुना। उन्हीं की पुकार पर अपनी सोलह वर्ष की आयु में लालबहादुर गांधी जी के '*असहयोग आंदोलन*' में कूद पड़े। गांधी जी के संपर्क में आने पर उन्होंने सीखा कि जो लोग दूसरों के दुःख-दर्द को जानने के लिए अपने दुःख-दर्द को भूल जाते हैं, वे सारी दुनिया के प्यारे होते हैं। इस कार्य में शास्त्री जी की पत्नी श्रीमती ललिता देवी ने सदैव इनका साथ दिया।

लालबहादुर शास्त्री का अधिकांश समय उत्तर प्रदेश में व्यतीत हुआ। सन् 1930 से सन् 1945 तक वे स्वाधीनता आंदोलन से जुड़कर विभिन्न जेलों में रहे। सारे कष्टों को शास्त्री जी ने एक तपस्वी की भाँति सहन किया। इन कष्टों के बीच ललिता देवी भी पूरी तरह *अडिग* रहीं।

नेहरू जी के बाद जब शास्त्री जी स्वाधीन भारत के प्रधानमंत्री बने, तब पड़ोसी देश पाकिस्तान ने भारत पर इसलिए आक्रमण कर दिया कि वह शास्त्री जी को एक कमजोर प्रधानमंत्री समझता था। परंतु शास्त्री जी की एक *दहाड़* ने दुश्मन को हिलाकर रख दिया। भारतीय फौज और देश के किसानों ने जब शास्त्री जी के मुख से "जय जवान जय किसान" का नारा सुना, तो पूरा देश जैसे उठ खड़ा हुआ—शास्त्री जी की एक *हुंकार* से ही पूरी दुनिया दहल उठी।

दुश्मन के दाँत खट्टे करने के बाद रूस के प्रधानमंत्री के निमंत्रण पर शास्त्री जी शांति की खोज में ताशकंद गए। वहाँ उन्होंने पाकिस्तान के राष्ट्रपति से भेंट की। परंतु 11 जनवरी, 1966 को भारत का यह बहादुर प्रधानमंत्री हमेशा-हमेशा के लिए भारतवासियों से दूर चला गया। दिल्ली में यमुना किनारे 'विजय घाट' पर शास्त्री जी का अंतिम संस्कार कर दिया गया। किंतु शांति और वीरता का वह असाधारण सैनिक, आज भी भारतवासियों के दिलों में बसा हुआ है।

*—भगवती प्रसाद*

## शब्द-अर्थ

**जयघोष** — विजय नाद *(victory)*,
**गौरव** — बड़प्पन *(glory)*,
**घटना** — हादसा *(event)*,
**भेंट** — उपहार *(present)*,
**असहयोग आंदोलन** — सहयोग न करना *(Non-co-operation movement)*,
**हुँकार** — गर्जना *(shouting)*,
**युग पुरुष** — समय का महानायक *(hero of an era)*,
**सर्वोच्च** — सबसे ऊँचा *(highest)*,
**फिसलना** — रपटना *(slipped)*,
**आदर्श** — अनुकरणीय *(ideal)*,
**अडिग** — दृढ़ *(determined)*,
**दहाड़** — शेर की आवाज *(roar)*,
**दहल जाना** — भयभीत होना *(terrified)*।

# अभ्यास

## मौखिक

**1. इन शब्दों को पढ़कर सुनाइए—**

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| युग पुरुष | प्रधानमंत्री | सर्वोच्च | परिश्रम | निर्भीक |
| महत्वपूर्ण | रामायण | आदर्श | प्रभाव | महापुरुष |
| सदैव | आक्रमण | राष्ट्रपति | | |

**2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए—**

(क) शास्त्री जी ने कौन-सा नारा दिया?

(ख) शास्त्री जी का जन्म कब हुआ?

(ग) पं० जवाहर लाल नेहरू के बाद हमारे देश के प्रधानमंत्री कौन थे?

## लिखित

### 1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) हमारे देश के प्रथम प्रधानमंत्री कौन थे?

☐ लाल बहादुर शास्त्री ☐ पं० जवाहर नेहरू ☐ महात्मा गांधी

(ख) असहयोग आंदोलन किसने चलाया?

☐ नेहरू जी ने ☐ शास्त्री जी ने ☐ गाँधी जी ने

(ग) शास्त्री जी की पत्नी का नाम क्या था?

☐ ललिता देवी ☐ शारदा देवी ☐ सरिता देवी

(घ) शास्त्री जी का अंतिम संस्कार कहाँ किया गया?

☐ राज घाट ☐ राम घाट ☐ विजय घाट

### 2. वाक्यों को पूरा कीजिए–

***शांति, जय जवान जय किसान, शारदा प्रसाद श्रीवास्तव, भगवान, रामदुलारी***

(क) शास्त्री जी के पिता श्री ..... थे।

(ख) शास्त्री जी की माता श्रीमति ..... थीं।

(ग) जिसे ..... बचाए, उसे कौन मार सकता है।

(घ) शास्त्री जी ने ..... का नारा देश को दिया था।

(ङ) शास्त्री जी ..... की खोज में ताशकंद गए।

### 3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) लालबहादुर शास्त्री के बचपन का नाम क्या था?

(ख) शास्त्री जी का जन्म कहाँ हुआ था?

(ग) लालबहादुर शास्त्री जी पर मौसा जी के परिवार का क्या प्रभाव पड़ा?

(घ) शास्त्री जी की पत्नी का नाम क्या था?

(ङ) गांधी जी के संपर्क में आने पर लालबहादुर शास्त्री जी ने क्या सीखा?

## भाषा-ज्ञान

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) किसी प्राणी, वस्तु, स्थान और भाव के नाम को क्या कहते हैं? .....

(ख) हिंदी भाषा में कितने वचन होते हैं? .....

(ग) हिंदी में कितने लिंग होते हैं? .....

(घ) संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्द क्या हैं? .....

(ङ) 'सर्वनाम' या 'संज्ञा' की विशेषता बताने वाले शब्द क्या कहलाते हैं? .....

## क्रियात्मक गतिविधि

- दिए गए स्थान पर हमारे देश के कुछ वीर महापुरुषों के चित्र लगाइए, उनके नाम लिखिए तथा उनके विषय में दो-दो पंक्तियाँ लिखिए।